CultureTalk India Video Transcripts: http://langmedia.fivecolleges.edu

Violence, Non-Violence, and Sustainable Development

Hindi transcript:

- अच्छा, आपका नाम क्या है?

- मृदु।

- आपका पूरा नाम क्या है?

- मृदु महाजन।

- और आप कहाँ पर पढ़ती हैं?

- मैं वैसे अभी पढ़ती नहीं हूँ, अभी काम करती हूँ। पर मैंने स्कूल दिल्ली में करा है और कॉलेज के लिए मैं Duke University गई थी, North Carolina में। और फ़िर मैं May में वापस आई और तब से... एक संस्था है, 'प्रवाह' – उसके साथ काम कर रही हूँ।

- और आप क्या किस्म का काम करती हैं प्रवाह में?

- प्रवाह एक संस्था है जो दस साल पहले शुरु हुई थी और वह साम्प्रदायिकता पे बहुत काम करती है। वैसे तो वह जो संस्था है शुरु हुई थी एक जीवन कौशल पे workshops करने के लिए। तो स्कूल और कॉलेज के बच्चों के साथ workshops करते हैं जिस में हम खुद के बारे में भी बात करते हैं, अपने दोस्तों... group dynamics के बारे में बात करते हैं और सोसाइटी, कम्यूनिटी के बारे में बात करते हैं। और कम्यूनिटी में ऐसे कौन से मुद्दे हैं जो खड़े होते हैं जिनके बारे में हम सबको बातचीत करने की बहुत सख्त ज़रूरत है – जिस तरह साम्प्रदायिकता, हिंसा, अहिंसा के बारे में बातचीत होती है। उसके अलावा हम गाँवों मे जाते हैं और गाँवों के तौर-तरीके सीखते हैं। और उधर किन तरह... किन चीज़ों से विकास बढ़ता है, उन चीज़ों के बारे में बातचीत होती है। और यह सात दिन का कैम्प होता है स्कूल के बच्चों के साथ, और यह क़रीबन सात साल से कैम्प चल रहा है। पिछले तीन महीनों में हम गए हैं तिलोनिया, जो राजस्थान में है और वहाँ पे एक और संस्था है – Social work और Research Centre। और वह एक... बंकर रॉय नाम के हैं जिनने शुरु किया था। और वहाँ पे कम्यूनिटी को उनने empower किया है, social work के तौर पे। मतलब वे रीसर्च करते हैं और village development – गाँव का जो विकास होता है – वह बड़ा sustainable तौर पे होता है। जो भी वह… जैसे वहाँ पे solar energy… पूरा कैम्पस solar energy पे चलता है। वहाँ पे water harvesting होती है, waste management होता है और 'कबाड़ से जुगाड़' – यानी कचड़ा इकट्ठा करके जो चीज़ें वैसे आमतौर पे लोग फेंक देते हैं, उसको लेकर चीज़ें बनाते हैं। तो जो भी काम होता है बड़ा sustainable तरीके से होता है। और उस गाँव ने बहुत तरक्की देखी है पिछले दस-पंद्रह सालों में। और राजस्थान में drought करीबन... पिछले तीन साल से drought हो रहा है वहाँ पर। पर उस जगह पे, तिलोनिया में, उनलोगों ने water harvesting का इतना बढ़िया काम किया है कि इस साल वही... सिर्फ़ वही तहसील थी, वह ही डिस्ट्रिक्ट था जहाँ पे पानी की इतनी...इतनी problem नहीं हुई, इतनी बड़ी समस्या नहीं हुई। और एक और गाँव हम गए थे, वर्धा में, जहाँ गाँधी का बहुत

बड़ा आश्रम है। और तो वह दोनों experiences बहुत अच्छे रहे। और मुझे अब क़रीबन पाँच महीने हो गए हैं प्रवाह में। और अमरीका में कॉलेज में पढ़के यहाँ आके – वापस आके – वहाँ पर भी बहुत मज़ा आया, यहाँ पर भी बहुत मज़ा आ रहा है, तो life is very good, basically!

- आप कह रही थीं कि आप बहुत सारे workshop करती हैं युवकों के साथ। तो इन workshops में आप क्या-क्या चीज़ें करते हैं? आप... हमारे... सोसाइटी के मुद्दों के बारे में बातचीत करते हैं। पर आपका approach क्या है? कैसे approach लेते हैं?

- अच्छा। हमारी workshops जो होती हैं, उनका approach बहुत interactive होता है। Activities के साथ होता है, games के साथ होता है, discussions के साथ होता है, presentations के साथ होता है। लेक्चर बिलकुल नहीं होता। ... और... हम sessions करते हैं – मैं कौन हूँ – तो अपने आप को analyze करते हैं लोग। और sessions होते हैं... और एक session मैं describe कर सकती हूँ अगर आप चाहें तो। पता नहीं आप... आप workshops के बारे में क्या जानना चाहेंगी खास तौर पे?

- तो आप ये workshops शुरु कैसे करते हैं, और आप किस भाषा में करते हैं?

- अच्छा। भाषा तो दोनों हैं, अँग्रेज़ी और हिन्दी। और depend करता है कि किस तरह के स्कूल में जा रहे हैं, किस तरह की कम्यूनिटी में जा रहे हैं। अगर किसी प्राइवेट या पब्लिक स्कूल में जाते हैं तो ज़्यादातर अँग्रेज़ी का इस्तेमाल होता है। अगर किसी government स्कूल में जाते हैं, किसी बस्ती में जाते हैं, तो हिन्दी का प्रयोग होता है। ...Workshop शुरु होती है एक energizer के साथ। Energizer यानी mind-jog जो दिमाग को... की curiosity बढ़ाता है। तो मैं एक अभी आपको दिखाती हूँ बड़ी मज़ेदार सी mind-jog है। (खड़ी हो कर) – अच्छा, तो यह एक गीत है जो दक्षिण अफ़्रीका से है वैसे तो। अँग्रेज़ी में है। 'I'm alive, alert, awake, enthu-sias-tic' – हिन्दी में थोड़ा modify किया है हमलोगों ने... या किसी ने तो modify किया है, मैंने खुद नहीं modify किया... पर कुछ इस तरह जाता है – 'मैं ज़िन्दा, खुश हूँ, मस्त, बड़े मज़े में। (दो बार।) मैं ज़िन्दा, खुश हूँ, मस्त। मस्त, खुश, ज़िन्दा। मैं ज़िन्दा, खुश हूँ, मस्त, बड़े मज़े में।' OK? तो अब मैं… मिसेज़ सुनीता धर को invite करूँगी कि वह आ के मेरे साथ यह energizer करें। अभी शायद थोड़ा अजीब-सा लग रहा हो, पर जब बीस-पच्चीस लोग... बच्चे इकट्ठे होते हैं, तो बड़े मज़े आते हैं। और फ़िर थोड़ी इसकी रफ़्तार भी बढ़ाते जाते हैं। ठीक है। (सुनीता जी से) – शुरु करें? धीरे से शुरु करते हैं। (एक बार करते हैं। सुनीता जी चुपचाप हाथ चलाती हैं।) ठीक है? यह आपको बोलना भी है।

- (सुनीता) – पहले प...

- अच्छा। (दोनों एक साथ करती हैं। सुनीता गलत करती हैं, और सब हँसते हैं।) I'm changing it as I go. अच्छा। (फिर से करती हैं। गलतियाँ होती हैं, और सब खूब हँसते हैं।)

(बाद में) – दीपालय जो संस्था है, वह बस्ती के ल...बच्चों के साथ काम करती है। और आमतौर पे यह बच्चे स्कूल की फ़ीस नहीं दे पाते – regular स्कूल की फ़ीस – तो, दीपालय इन्हें कम फ़ीस या फ़्री में स्कूल education देती है। तो उन बच्चों के साथ – सोलह से बीस के ब... के उम्र के बच्चों के साथ – हमने एक workshop की थी। Workshop करीबन तीस घंटे की होती है, तो एक दो हफ़्तों... एक दो हफ़्ते लग जाते हैं पूरी

workshop करने में। तो इस workshop में हमने बहुत से मुद्दों पे बात करी थी। पर आखिर में जा के पूरी क्लास हिंसा और अहिंसा के बारे में बात करना चाहती थी। तो... उसपे इन लोगों ने action project भी किया था। उन लोगों ने एक गीत prepare किया था, एक नाटक prepare किया था, जो लोगों ने जा के अपनी बस्ती में perform किया। ...नाटक और गीत अहिंसा पे थे। ...कि... और एक बच्चे ने जो presentation की थी, वह थी September 11th के बारे में। उसने एक... चित्र बनाया था, जिसमें उसने दिखाया था कि प्लेन एक बिल्डिंग में crash कर रही है। यह बच्चा है जिसके घर में शायद टी.वी. भी न हो, शायद रेडियो भी न हो, पर उसको सब खबर थी कि 9/11 में क्या हुआ, उसके बाद अमेरिका पे क्या impact पड़ा, उसके बाद इराक के साथ क्यों युद्ध हुआ, और उस युद्ध से इराकियों पे क्या असर पड़ा है। तो इन बच्चों की understanding बहुत deep थी। और इनने जो चित्र बनाया था, वह बहुत interesting था, क्योंकि जो जहा...जहाज़ था, वह एक बिल्डिंग पे नहीं. बिल्डिंग से नहीं टकरा रहा था, पर एक झोपड़पट्टी से टकरा रहा था। और उसका यह कहना था कि हमेशा जब ऐसा कोई अत्याचार होता है, कोई attack होता है, तो हमेशा जो lower-income वाले लोग होते हैं, जो poor लोग होते हैं, जो गरीब लोग होते हैं, जो innocent लोग होते हैं, वह affect होते हैं। तो... यह एक ऐसा incident था जो मुझे हमेशा, ज़िन्दगी भर याद रहेगा। क्योंकि हमलोग, जिनके पास टी.वी. का access है, हर possible media का access है, हम खुद ही इतने... अपनी ज़िन्दगी में इतना... involve हो जाते हैं कि हमें बाहर की ज़िन्दगी दिखती नहीं है। और ये लोग, जिनके पास हर दिन का खाने-पीने का सामान मुश्किल से मिलता है, उनको इन चीज़ों से इतना प्रभाव... इतना...इत...इन चीज़ों से वह इतना प्रभावित हुए हैं। और उनकी ज़िन्दगी में इतना असर पड़ा है इन चीज़ों का कि वह कुछ इन चीज़ों के बारे में करना चाहते हैं। उन्हें लगता है हिंसा... हिंसा से कुछ नहीं हो सकता। अहिंसा के ही रास्ते पे चलना है। तो वह सुनकर बहुत खुश...खुशी मिली।

- तो आप इन जवान लोगों... इन युवकों को कोई मशवरा देते हैं इन चीज़ों के बारे में कुछ बदल... कुछ बदला पाएँ?
- हाँ, मतलब एक तो... शुरुआत होती है workshop से। कि इन चीज़ों के बारे में discussion हो, एक understanding build हो। उसके बाद action project जो होता है, उससे opportunity मिलती है लोगों को कि वह... कुछ... जो उनके खयाल हैं, जो उनके ख़यालात हैं इन चीज़ों पे, वह जा के दूसरे लोगों से बातचीत कर पाएँ... उन मुद्दों के बारे में। उसके बाद वह क्या करें, वह... उनको अपना initiative लेना पड़ेगा उसके लिए। पर हम उनको यह आ... यह... उनको हम यह opportunity देते हैं कि वह हमेशा प्रवाह के साथ आ के volunteer कर सकते हैं, या प्रवाह उनकी मदद कर सकता है कि वह किसी और संस्था के साथ volunteer करें। तो, उनका अगर interest है, अगर उनमें वह जागरुकता है, कि वह वह first step लें, then we can follow it up for them।

English translation:

- Okay, what is your name?
- Mridu.

- What is your full name?
- Mridu Mahajan.
- And, where do you study?
- As a matter of fact, I don't [go to school] any more; I work. But I went to school in Delhi,[1] and I went to college at Duke University, in North Carolina. And then I got back in May, and since then … there is this organization called Pravah – I work with it.
- And what sort of work do you do at Pravah?
- Pravah is an organization that started to function ten years ago, and it does a lot of work on religious extremism. In fact, the organization started with the purpose of doing a workshop on skills for life. So [we] do workshops with school and college kids, in which we also talk about ourselves; we talk about our friends … about group dynamics, we talk about the society and community. And [we discuss] issues of rising concern to the community, about which we need to talk very urgently – for example, we talk about religious extremism, violence, non-violence.[2] Aside from this, we go to villages, and learn about the ways of the village. And how it is that over there … which factors contribute to development … we discuss those things. And this is a seven-day camp with schoolchildren, and this camp has been held for approximately seven years. In the last three months, we have visited Tilonia, which is in Rajasthan, and where there is another organization – Social Work and Research Centre. And it … [a man] by the name of Bunker Roy is [the person] who[3] started it. And he has empowered the community there on the basis of social work, meaning, he does research, and village development – the development of the village – occurs on a very sustainable basis. Whatever it is … for instance, the entire campus runs on solar energy. They have water harvesting there, [and] waste management, and 'utilities from trash'[4] – meaning, once waste is collected, they make things out of stuff that are usually thrown away by people. So whatever work is done is done in a sustainable fashion. And that village has seen a lot of development in the last ten or fifteen years. And there has been a drought in Rajasthan for approximately … there have been droughts there every year for three years now. But in that place – in Tilonia – they have done such excellent work with water harvesting that this year it was the only t …*tehsil*[5] – it was the only district where there wasn't such …such a big water problem. And we went to another village in Wardha, where there is a large ashram of Gandhi's. And, so, both those experiences were very good. And I have been in Pravah for about four months. And coming here after studying in a college in America – coming back… I had great fun there, and I am having great fun here, so life is very good, basically!
- You are saying that you do many workshops with youths. So, what sort of things do you do at these workshops? You … talk about the issues that concern … our society. But what is your approach [to them]? What sorts of approach do you take?
- Okay. The workshops we hold [use] a very interactive approach. [They] involve activities, games, discussions, presentations. There are absolutely no lectures, and … we do sessions – [having the theme] 'Who am I?' – so, people analyze themselves. And there are sessions … I can describe a session for you, if you wish. I don't know [what] you … what would you especially like to know about the workshops?

---

[1] करा है is odd; किया है is better.

[2] Note: The corresponding Hindi sentence is not well-formed.

[3] The speaker says जिनने and उनने for जिन्होंने and उन्होंने.

[4] जुगाड़ means provision.

[5] A *tehsil* is an administrative subdivision of a district.

- So, how do you begin these workshops, and in what language do you [conduct] them?
- Okay. We use both languages, English and Hindi, and it depends on what kind of school we are going to, what kind of community we are going to. If we go to a private or public school, then [we] use English for the most part. If we go to a government-run school, then [we] use Hindi. The workshop begins with an energizer. Energizer, meaning mind-jog – [something] that causes the mind to … [causes an] increase in curiosity. So, I will now show you a fun mind-jog. (Standing up) Okay, so, this is a song that is [originally] from South Africa. It's in English. 'I'm alive, alert, awake, enthu-sias-tic' – we have modified it a bit in Hindi … or, someone has modified it, I haven't modified it myself … but it goes something like this: 'I'm alive, happy, delighted, enjoying myself. (Twice) I'm alive, happy, delighted. Delighted, happy, alive. I'm alive, happy, delighted, enjoying myself.' Okay? So now I … wish to invite Mrs. Sunita Dhar to come here and do this energizer with me. It probably seems a bit strange right now, but when twenty-twenty five people … kids get together, it is great fun. And then we also increase the speed somewhat as we go along. Okay. (To Sunita) shall we start? We start slowly. (They do it once. Sunita moves her arms in silence.) Okay? You have to say it, too.
- (Sunita speaks) At first …
- Okay. (Both do it together. Sunita gets it wrong, and everyone laughs.) I'm changing it as I go. Okay. (They do it again. It goes wrong, and everyone laughs heartily.)
(Later) The organization Deepalaya works with peo …kids from the slums. And ordinarily these kids cannot pay their school fees – [their] regular school fees – so, Deepalaya gives them a school education for a low fee, or for free. So, we did a workshop with those kids – k …kids between sixteen and twenty years of age. A workshop runs for approximately thirty hours, so, one or two weeks … it takes one or two weeks to complete the workshop. So we talked about[6] many issues at this workshop. But in the end, [everyone in] class wanted to talk about violence and non-violence. So, these people also did an action project … on that [topic]. They had prepared a song, [and] a play, which they performed at their slum. The play and the song were about non-violence . . . that… and a kid made a presentation – it was about September 11. He had drawn a … picture, in which he had shown a plane crashing into a building. This is a child who probably did not have a T.V. at home, probably not even a radio; but he had all the information – as to what happened [on] 9/11, and then, what impact it had on America; why there was the war with Iraq after that, and how the Iraqis were affected by the war. So these kids had a very deep understanding [of these issues]. And the picture [the kid][7] had made was very interesting, because the pl …plane he had drawn, was not … crashing into a building; it was crashing into a shack. And [the kid] wanted to say that whenever there is an atrocity of this kind, whenever there is an attack, it is always the people with lower incomes, the poor people (repeats), the innocent people who are affected. So … this was an incident that I will remember always, all my life. Because we, who have access to T.V., to all sorts of media possible, we ourselves are so very … so very … wrapped up in our lives that we do not see the life outside. And these people – those who barely have enough food each day – they are so affected … so …so …affected by such things. And these things have had so much impact on their lives that they want to do something about them. They feel that nothing can come of violence…violence. We have to walk on the path of non-violence. So I was very happy … happy to hear that.[8]

---

[6] बात करी थी will do, but बात की थी is better.

[7] The speaker probably meant to say इसने instead of इनने.

[8] खुशी हुई is more natural.

- So do you give these young people … these youths a forum [from where] they can change something about these things … [so that they] can cause something to change?
- Yes, I mean, the … workshop is a beginning. So that there is discussion about these things – an understanding is built. After that there is the action project, which gives people an opportunity to… talk about their thoughts and ideas with other people … on those issues. As for what they [might] do afterwards, for that... they have to take initiative on their own. But we … the … we always[9] give them the opportunity to come and do volunteer work with Pravah, or else Pravah helps them to [offer themselves] as volunteers for a different organization. So, if they are interested, [and] if they are aware of the fact that they [need to] take that first step, then we can follow it up for them.

About CultureTalk: CultureTalk is produced by the Five College Center for the Study of World Languages and housed on the LangMedia Website. The project provides students of language and culture with samples of people talking about their lives in the languages they use everyday. The participants in CultureTalk interviews and discussions are of many different ages and walks of life. They are free to express themselves as they wish. The ideas and opinions presented here are those of the participants. Inclusion in CultureTalk does not represent endorsement of these ideas or opinions by the Five College Center for the Study of World Languages, Five Colleges, Incorporated, or any of its member institutions: Amherst College, Hampshire College, Mount Holyoke College, Smith College and the University of Massachusetts at Amherst.

© 2003-2008 Five College Center for the Study of World Languages and Five Colleges, Incorporated

[9] हमेशा is located at an odd place in the sentence. The speaker probably wants to say both that Pravah gives them the opportunity to come and do volunteer work (with Pravah), and that they can always do volunteer work with Pravah – the resulting sentence is a bit of a hodge-podge.